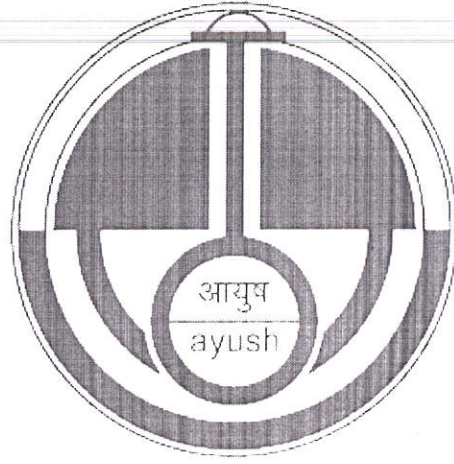


राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद

(आयुष मंत्रालय भारत सरकार के ,अधीन एक स्वायत्त निकाय (

चेरुतुरुत्ति



विवरण-पुस्तिका

पंचकर्म चिकित्सा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीपीटी)

(3 महीने - पूर्णकालिक - स्ववित्तपोषित)

सीसीआरएएस के बारे में :

- केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का (सीसीआरएएस) एक स्वायत्त निकाय है। यह आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली में वैज्ञानिक आधार पर अनुसंधान के विकास और प्रचार के लिए भारत में एक शीर्ष निकाय है। ,समन्वय ,निर्माण
- राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेन्नुरुत्ति, सीसीआरएएस के अंतर्गत एक प्रमुख संस्थान है, जो पंचकर्म में अनुसंधान के लिए समर्पित है। इस संस्थान का अधिदेश न्यूरोमस्क्युलर और मस्क्युलोस्केलेटल विकार है।
- पंचकर्म प्रशिक्षण में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम एक बीएएमएस स्नातक को पंचकर्म का अभ्यास करने में कुशल एवं मध्यम आयुर्वेद चिकित्सक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- पंचकर्म में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, इस संस्थान में पंचकर्म पर आधारित ऐसे पाठ्यक्रम संचालित करने की अपार संभावनाएं हैं। यह प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पंचकर्म में अभ्यास करने के इच्छुक बीएएमएस स्नातकों के लिए उपयुक्त होगा।

उद्देश्य:

- विभिन्न पंचकर्म उपचारों की बुनियादी और व्यावहारिक समझ को बढ़ाना।
- सभी पंचकर्म उपचारों को करने के लिए चिकित्सक के कौशल को बढ़ाना
- पंचकर्म में अभ्यास करने वाले आयुष चिकित्सकों की योग्यता बढ़ाना

पात्रता:

- बीएएमएस स्नातक

आयु :

- कोई आयु सीमा नहीं

निर्देशों का माध्यम:

- पाठ्यक्रम का माध्यम अंग्रेजी/हिन्दी होगा

पाठ्यक्रम की अवधि:

- हर साल 2 बैच आयोजित किए जाएंगे, जुलाई-सितंबर और दिसंबर-फरवरी
- 3 माह की अवधि (नियमित कक्षाएं)
- यह एक पूर्णकालिक नियमित और गैरआवासीय पाठ्यक्रम है और कक्षाएं सभी कार्य दिवसों में - 9 सुबह:1 बजे से दोपहर 00:4 बजे से शाम 2 बजे तक और दोपहर 00:बजे तक आयोजित की 00 जाएंगी।
- प्रायोगिक कक्षाएं 4 घंटे/प्रतिदिन
- व्याख्यान कक्षाएं 2 घंटे/प्रतिदिन

प्रशिक्षण केंद्र:

- राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान , चेन्नुरुत्ति , त्रिशूर 679531

प्रवेश प्रक्रिया:

- पंचकर्म प्रशिक्षण में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की अधिसूचना आवेदन पत्र के साथ जून और नवंबर महीने के दौरान सीसीआरएफएम वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। दस्तावेजों और आवेदन शुल्क के साथ विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र, निदेशक एनएआरआईपी, चेरुतुरुत्ति के पक्ष में शोरनूर (भारतीय) 0000760आईएफएमसी कोड एमवीआईएन) स्टेट बैंक शोरनूर शाखा) के रूप में (केरल में देय , 500/- रुपये की डीडी के साथ 20 जून /नवंबर से पहले जमा करना होगा।। इस अवधि के अंदर पहुंचने वाले आवेदनों पर ही विचार किया जाएगा। आवेदन शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

चयन प्रक्रिया:

- प्राप्त आवेदनों की पात्रता के लिए जांच की जाएगी और संलग्न दस्तावेजों को पूरी तरह से सत्यापित किया जाएगा। पात्र पाए जाने पर प्राप्त आवेदन के क्रम के आधार पर आवेदनों का अंतिम चयन किया जाएगा। किसी आरक्षण का पालन नहीं किया जायेगा।
- रिक्त सीटों को ,यदि कोई हो ,भरने के लिए एक प्रतीक्षा सूची भी बनाई जाएगी। उम्मीदवारों के चयन में निदेशकप्रभारी का निर्णय अंतिम होगा।।

छात्रावास सुविधाएं:

- प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। इस पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए कोई छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं है।

सीटों की संख्या:

- एक बैच में कुल 30 सीटें

फीस संरचना:

- पाठ्यक्रम शुल्क प्रति छात्र 30,000/- रुपये है। (तीस हजार रुपये)प्रवेश के समय शुल्क का भुगतान निदेशक एनएआरआईपी, चेरुतुरुत्ति के पक्ष में शोरनूर (भारतीय स्टेट बैंक)शोरनूर शाखा 0000760आईएफएमसी कोड एमवीआईएन) में देय डीडी के रूप में करना होगा।
- शुल्क जमा करने के बाद कोई रिफंड नहीं दिया जाएगा।

प्रशिक्षक :

- संस्थान के अनुसंधान अधिकारी पंचकर्म में समृद्ध अनुभव के साथ आयुर्वेद में विभिन्न विषयों में (स्नातकोत्तर) एवं पाठ्यक्रम के व्याख्याता के रूप में पंचकर्म सेवाओं के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले अनिधि विद्वान।

भ्रमण कार्यक्रम :

- भ्रमण कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षुओं को यात्रा आवास और भोजन का खर्च स्वयं वहन ,करना होगा।
- पंचकर्म में जान को बढ़ाने और प्रदर्शन के लिए केरल के किसी उच्च स्तरीय संस्थान का दौरा किया जाएगा।

उपस्थिति :

- छात्र को परीक्षा में बैठने की अनुमति देने के लिए सैद्धान्तिक और प्रायोगिक दोनों कक्षाओं में 75% उपस्थिति आवश्यक है।

मूल्यांकन और परीक्षा:

- अंतिम मूल्यांकन 3 महीने के अंत में आयोजित किया जाएगा जिसमें सैद्धान्तिक, प्रायोगिक और मौखिक परीक्षा शामिल होगी।
- लिखित
- प्रायोगिक
- संकलन
- आंतरिक मूल्यांकन
- पहले और दूसरे महीने के अंत में समय-समय पर मासिक मूल्यांकन भी आयोजित किया जाएगा
- मूल्यांकन 250 अंकों का होगा

मूल्यांकन:

- संस्थान द्वारा गठित पाठ्यक्रम समन्वयक और मूल्यांकन टीम द्वारा किया जाएगा। संस्थान किसी भी पुनर्मूल्यांकन/पुनर्योग की अनुमति नहीं देता है।

परिणाम की घोषणा/प्रमाणपत्र प्रदान करना:

- 3 महीने के पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अंतिम मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रशिक्षुओं को संस्थान द्वारा पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।
- परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम अंक 50% है।

पाठ्यक्रम:

1. पंचकर्म की मूल बातें:

- दोष, धानु, अग्नि, कोष्ठ, श्रोत की अवधारणाएँ।
- द्विविधोपक्रम, रादुपक्रम
- पंचकर्म द्रव्य गुणसिद्धान्त
- शोधन और समानचिकित्सा में अंतर
- पंचकर्म में प्रयुक्त गण और योग

2. स्नेहना

- चिकित्सा विज्ञान के आधार पर परिभाषा और विभिन्न प्रकार
- सामलों के चयन और स्क्रीनिंग पर जोर देने के साथ संकेत और विरोधाभासों पर चर्चा
- स्नेहन की विधियाँ और उसकी क्रियाविधि (स्नेहनविधि)
- स्नेहपान का मूल्यांकन जैसे स्नेह जीर्यमानलक्षणा, स्नेह जीर्णा, सम्यक स्नेह लक्षणा और स्नेह व्यापादिन्स प्रबंधन।
- साध्य स्नेह रोगियों की चैवारी
- सामान्य सूत्रीकरण

3.स्वेदना

- परिभाषा और चिकित्सीय प्रकार
- मामलों के चयन और स्क्रीनिंग पर जोर देने के साथ संकेत और विरोधाभासों पर चर्चा
- स्वेदों से संबंधित औपधि निर्माण
- स्वेदनविधि
- सम्यक स्वित्ना और व्यापद का प्रबंधन के साथ आकलन
- सामान्य रोग और प्रचलित स्वेद के प्रकार

4. केरलीय पंचकर्म

- पिलिचिल, थलापोथिचिल, अन्नलेपना, कटिवस्ति आदि की मानक संचालन प्रक्रिया

5.वमन

- परिभाषा और चिकित्सीय प्रकार
- मामलों के चयन और स्क्रीनिंग पर जोर देने के साथ संकेत और विरोधाभासों पर चर्चा
- वमन कर्म से संबंधित औपधि निर्माण
- वमन विधि
- सम्यक वमन और व्यापद का प्रबंधन के साथ आकलन
- सामान्य विकारों में प्रचलित वमन

6.विरेचन

- परिभाषा और चिकित्सीय प्रकार
- मामलों के चयन और स्क्रीनिंग पर जोर देने के साथ संकेत और विरोधाभासों पर चर्चा
- विरेचनकल्प / योग
- विरेचनविधि
- सम्यक स्वित्ना और व्यापद का प्रबंधन के साथ आकलन
- सामान्य रोग और योगों के साथ प्रचलित विरेचन के प्रकार

7. वस्ति

- परिभाषा और चिकित्सीय प्रकार
- मामलों के चयन और स्क्रीनिंग पर जोर देने के साथ संकेत और विरोधाभासों पर चर्चा
- वस्ति और उसकी संरचना से संबंधित औपधि निर्माण
- अस्थापन, अनुवासनवस्तीविधि एवं उत्तरावस्ती
- सम्यक लक्षणा और व्यपद का प्रबंधन के साथ आकलन
- सामान्य रोग और प्रचलित वस्ति के प्रकार

8.तस्य

- परिभाषा और चिकित्सीय प्रकार
- मामलों के चयन और स्क्रीनिंग पर जोर देने के साथ संकेत और विरोधाभासों पर चर्चा
- स्वेदों से संबंधित औपधि निर्माण
- तस्यविधि
- सम्यक लक्षणा और व्यपद का प्रबंधन के साथ आकलन
- सामान्य रोग और औपधियों के साथ प्रचलित तस्य के प्रकार

9. रक्तमोक्षण

- परिभाषा और चिकित्सीय प्रकार
- मामलों के चयन और स्क्रीनिंग पर जोर देने के साथ संकेत और विरोधाभासों पर चर्चा
- रक्तमोक्षण की एसओपी
- प्रबंधन के साथ व्यापकों का आकलन
- सामान्य रोग और प्रचलित रक्तमोक्षण के प्रकार

10. नेत्र क्रिया कल्पस

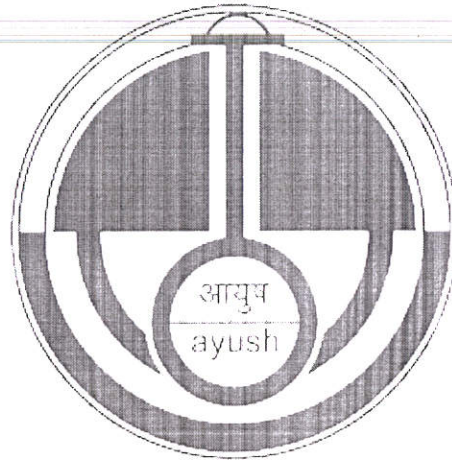
- तर्पण, पुतापत्रा, अश्रुयोजन, संवत्, विंदी और विदालका का एसओपी
- नेत्रकल्प के संकेत और मतभेद
- उपरोक्त नेत्रकल्पों में सामान्यतः प्रयुक्त फार्मूलेशन

11. विभिन्न विशिष्टताओं में नैदानिक पंचकर्म

- शिशु चिकित्सा, स्त्री रोग, नेत्र विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, संधिवात शास्त्र (रुमेटोलॉजी), अस्थि रोग विज्ञान (आर्थोपेडिक्स), जीवनशैली विकार, मनोचिकित्सा, त्वचा विज्ञान में पंचकर्म का प्रयोग।

NATIONAL AYURVEDA RESEARCH INSTITUTE FOR PANCHAKARMA
CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN AYURVEDIC SCIENCES
(An Autonomous Body under Ministry of Ayush, Govt. of India)

CHERUTHURUTHY



PROSPECTUS

**CERTIFICATE COURSE IN PANCHAKARMA
THERAPY (CCPT)**

(3 MONTHS -FULLTIME – SELF FINANCED)

About CCRAS :

- The Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS) is an autonomous body of the Ministry of Ayush, Government of India. It is an apex body in India for the formulation, coordination, development and promotion of research on scientific lines in Ayurveda system of medicine.
- National Ayurveda Research Institute for Panchakarma, Cheruthuruthy is a premiere institute under CCRAS solely dedicated for research in Panchakarma. The mandate of this institute is Neuromuscular and musculoskeletal disorders.
- Certificate course in Panchakarma training is designed to transform a BAMS graduate into a competent ayurveda physician skilled to practice panchakarma.
- Being an institute of national importance in Panchakarma, This institute is ideal and having immense potential to deliver such courses in Panchakarma. This certificate course will be ideal for BAMS graduates looking to pursue their practice in Panchakarma

Objectives:

- To enhance the basic and applied understanding of various Panchakarma therapies.
- To enhance the skill of the doctor to perform all panchakarma therapies
- Enhance the competency of Ayush doctors practicing in Panchakarma -chikitsa

Eligibility:

- BAMS Graduates

Age :

- No age limit

Medium of Instructions:

- The medium of instructions will be in English / Hindi

Course Duration:

- Every year 2 batches will be conducted, July -Sep and Dec – Feb
- 3 Months duration (Regular classes)
- This is a full time, regular & non-residential course and the classes will be conducted in all working days from 9:00 AM to 1:00 PM and 2 PM to 4:00 PM.
- Practical classes 4hr /daily
- Lecture classes 2hrs / daily

Training centre:

- National Ayurveda Research Institute for Panchakarma, Cheruthuruthy, Thrissur 679531

Admission procedure:

- The notification of the certificate course in panchakarma training along with application form will be available in ceras website during the month of June and November. The duly filled in application form along with documents and application fees in the form of DD of amount 500/- rs drawn in favour of Director NARIP, Cheruthuruthy payable at Shoranur (State Bank of India Shoranur Branch (IFSC code SBIN0000760) in Kerala shall reach before 20th of June / November. The applications reaching within the period will only be considered. Application fee is not refundable.

Selection Procedure:

- The applications received will be screened for eligibility and the attached documents are thoroughly verified. If found eligible the applications will be provisionally selected based on the order of application received. No reservation is followed.

- A waiting list will also be made to fulfill the vacant seats, if any. The decision of the Director/ In-charge will be the final in selection of candidates

Hostel facilities:

- Accommodation and boarding of the participants in the training course should be arranged by themselves. No Hostel facility is available for the students of this course.

Number of seats:

- Total of 30 seats in a batch

Fees structure:

- Course Fee: The course fee is Rs.30,000/- (Thirty thousand rupees) per student. At the time of joining the Fee shall be paid as DD drawn in favour of Director NARIP, Cheruthuruthy payable at Shoranur (State Bank of India Shoranur Branch (IFSC code SBIN0000760) in Kerala
- No refund will be allowed once any of the fees is deposited.

Faculty:

- The Research officer of the Institute (Post graduates in various disciplines in Ayurveda with rich experience in panchakarma) & Guest Faculty with expertise in the field of Panchakarma services as faculty of the course.

Tour Programme:

- The travelling, lodging and boarding expenses of the trainees for the tour programme will be borne by themselves
- Visiting premiere institute in Kerala for enhancing their knowledge and for exposure in Panchakarma

Attendance :

- 75% of the attendance both in theory and practical is essential to allow the student for the examination.

Assessment and examination:

- Final assessment will be conducted at the end of 3 months which include, theory, practical and viva
- Theory
- Practical
- Compilation
- Internal assessment
- Periodical monthly assessment at the end of first and second month will also be conducted
- Assessment will be for 250 marks

Evaluation:

- Evaluation of the examination will be performed by the Course coordinator & evaluation team constituted by the institute. The institute do not allow for any re-evaluation / re-totalling.

Declaration of result / Award of certificate:

- Trainees who have passed the final evaluation examination after successful completion of 3 months course will be awarded course completion certificate by the Institute.

- The minimum marks for passing examination is 50%

Course syllabus / curriculum:

1. Basics of Panchakarma:

- Concepts of Dosha, Dhatu, Agni, Koshta, Srotas.
- Dvividhopakrama, Sadupakrama
- Panchakarma Dravya gunasiddhanta
- Difference in Shodhana and samanachikitsa
- Ganas and yogas used in Panchakarma

2. Snehana

- Definition and various types based on therapeutics
- Discussion on indication and contraindications, with emphasis on selection and screening of cases
- Methods of snehana and its procedure (snehanavidhi)
- Assessment of snehapana like Sneha jeeryamanalakshana, Sneha jeerna, Samyak Sneha lakshana & Sneha vyapadits management
- Sadhya sneha recipe preparation
- Common formulations

3. Swedana

- Definition and Therapeutic types
- Discussion on indication and contraindications, with emphasis on selection and screening of cases
- Medicine preparations related to various sweda
- Swedanavidhi
- Assessment of Samyak swinna and vyapads with management
- Common diseases and type of sweda practiced

4. Keralaleeya panchakarma

- Standard operating procedure of Pizhichil, Thalapothichil, Annalepana, Kativasti etc.

5. Vamana

- Definition and Therapeutic types
- Discussion on indication and contraindications, with emphasis on selection and screening of cases
- Medicine preparations related to vamana karma
- Vamana vidhi
- Assessment of Samyak vamana and vyapads with management
- Common disorders where vamana is practiced

6. Virechana

- Definition and Therapeutic types
- Discussion on indication and contraindications, with emphasis on selection and screening of cases
- Virechanakalpa / yogas
- Virechanavidhi
- Assessment of Samyak swinna and vyapads with management
- Common diseases and type of virechana practiced with formulations

7.Vasti

- Definition and Therapeutic types
- Discussion on indication and contraindications, with emphasis on selection and screening of cases
- Medicine preparations related to various vasti and its composition
- Asthapana and anuvasanavastividhi and uttaravasti
- Assessment of Samyak lakshana and vyapads with management
- Common diseases and type of vasti practiced

8.Nasya

- Definition and Therapeutic types
- Discussion on indication and contraindications, with emphasis on selection and screening of cases
- Medicine preparations related to various sweda
- Nasyavidhi
- Assessment of Samyak lakshana and vyapads with management
- Common diseases and type of nasya practiced with medications

9.Raktamokshana

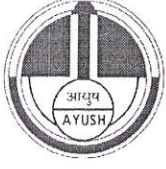
- Definition and Therapeutic types
- Discussion on indication and contraindications, with emphasis on selection and screening of cases
- SOP of various types of raktamokshana
- Assessment of vyapads with management
- Common diseases and type of raktamokshana practiced

10.Netra kriya kalpas

- SOP of Tarpana, putapaka, aschyotana, seka, bindi and bidalaka
- Indications and contraindications of various netrakalpa
- Commonly used formulations in the above netrakalpas

11.Clinical Panchakarma in various specialities

- Scope of Panchakarma in Pediatrics, Gynecology, ophthalmology, Neurology, rheumatology, orthopedics, lifestyle disorders, psychiatry, dermatology.



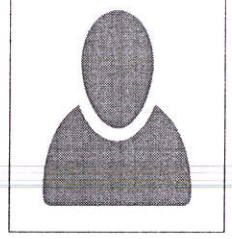
राष्ट्रीय आयुर्वेद पंचकर्म अनुसंधान संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्)
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, चेरुतुरुत्ति, त्रिशूर, केरल - 679 531

National Ayurveda Research Institute for Panchakarma
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences)

Ministry of AYUSH, Govt. of India, Cheruthuruthy, Thrissur, Kerala – 679 531

APPLICATION FORM

(For admission to Certificate Course in Panchakarma Therapy)



1. Name in full (Capital Letters) :
2. Sex :
3. Age & Date of Birth :
4. Permanent Address with Pin Code :
5. Correspondence address :
6. Contact Number :
7. E mail ID :
8. Nationality & Religion :
9. Permanent Registration Number :
10. State of registration :
11. Details of the employer (If working) :
12. Batch in which indent to join : July December

13. Educational qualification

	BAMS/MBBS	MD
Name of the Examination Passed		
University/ Board		
Year of passing		
% of marks obtained		

14. For Foreign Nationals -Details of Passport and Visa from appropriate authority:

DECLARATION

I hereby declared that all the statements made in the application are true and correct to the best of my knowledge and belief. If any information being found false or incorrect at any state my candidature shall be liable to be cancelled summarily without notice.

Place:

Signature of the applicant

Date: